Various activities of China on the border of the country

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उन समाचारों पर आकर्षिक करना चाहता हूं, जिनमें तीन दिन से लगातार यह खबरें छप रही हैं कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 11,000 चीनी सैनिक प्रवेश कर चुकें हैं और वहां पर रह रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

सभापति महोदय, आश्चर्यजनक और दुःख की बात यह है कि केन्द्र सरकार के प्रवक्ता ने कल यह कहा है कि वह इसकी जांच करेंगे। मैं इस सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या उसके कान पर जूं तब तक नहीं रेंगी, जब तक समाचारों में या अखबारों में यह नहीं छप गया कि 11,000 सैनिक यहां आ चुके हैं? क्या हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था, जांच व्यवस्था, सीआईडी, रॉ अथवा जो भी संस्थाएं हैं, वे सारी की सारी ध्वस्त हो चुकी हैं कि उनको मालूम ही नहीं पड़ा कि इस देश के अंदर इतने लोग आ चुके हैं? दिन संस्थाओं का दायित्व सुरक्षा व्यवस्था का है, क्या ऐसी हमारी संस्थाओं को इस बात के बारे में मालूम ही नहीं पड़ा?

महोदय, इसके अतिरिक्त मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि भारत वर्ष की उत्तरी सीमाओं में चीन बहुत तेजी से सड़कों और आवागमन के साधनों का विकास कर रहा है। उसकी नीयत क्या है, यह हम इन बातों से जान सकते हैं।

सभापति महोदय, शंघई में हमारा एक्पो का जो एक बहुत बड़ा सैंटर बना हुआ था, उस एक्ज़िबिशन में चीनी लोग घुसे और वहां जाकर उन्होंने भारत के उन नक्शों को जब्त कर लिया, जिनमें अरुणाचल प्रदेश को भारत के एक प्रदेश के रूप में दिखाया हुआ था ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, यह आश्चर्य की बात है कि चीनी लोग हमारे नक्शों को ज़ब्त कर रहे हैं और हमारी सरकार उस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं कर रही है।

महोदय, मेरी चौथी बात यह है कि अभी हमें मालूम हुआ था कि हमारे कमांडिंग जनरल ऑफिसर को चीन में भेजने के लिए केन्द्र सरकार ने चीन की सरकार से अनुमति मांगी थी, लेकिन चीन सरकार ने उन मिलिट्री के ऑफिसर्स का अपमान किया और हम उसे चुपचाप सहन कर रहे हैं।

महोदय, मेरी समझ में यह नहीं आता कि इस देश में यह गफलत फिर से क्यों हो रही है? क्या 1962 का इतिहास पुनः दोहराया जाएगा? क्या हिन्दुस्तान की उत्तरी सीमाओं के अन्दर चीन की जिस प्रकार से गतिविधियां बढ़ रही हैं, वे हमारी आंखें खोलने के लिए काफी नहीं है? क्या अभी-भी हम आंख और कान बंद करके इस बात का इंतजार करना चाहते हैं कि फिर से हमारी सीमाओं पर कोई ऐसा बड़ा हादसा हो, जिसमें हमें लज्जा का अनुभव हो अथवा हमारा अपमान हो? मैं चाहता हूं कि देश की सरकार इन बातों को तुरन्त स्पष्ट करे और डिप्लोमैटिक या अन्य स्तरों पर जो भी कार्यवाही करनी चाहिए, सदन के स्थगित होने से पहले इस सदन को उन पर कार्यवाही करने का वचन दे।

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): सर, हम इनको ऐसोसिएट करते हैं।

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): सर, मैं भी इनको ऐसोसिएट करता हूं।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश): सर, हम भी इनको ऐसोसिएट करते हैं।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): सर, हम इनको ऐसोसिएट करते हैं।

श्री भारतकुमार राऊत (महाराष्ट्र): सर, मैं इनको ऐसोसिएट करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri H.K. Dua. Just associate yourself.

SHRI H.K. DUA (Nominated): Sir, I associate myself with this issue.

Death of a destitute woman in Connaught Place in Delhi

श्री अश्विनी कुमार (पंजाब): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान एक ऐसी घटना की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जिसके बारे में जब मैंने पढ़ा तो मेरा दिल दहल गया।

महोदय, दिल्ली हमारे देश का दिल है और कनॉट प्लेस दिल्ली का दिल है। उसके एक फुटपाथ पर सात दिनों से अधिक समय से एक गरीब और मजलूम महिला पड़ी हुई थी, जो कि नौ महीने की गर्भवती थी। उसने